THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) and (b) During April-October, 1995, the State-wise power supply position in Western Region is given below:

(Figures in MU net)

Name of the States	Requirement	Availability	Shortage	%
Gujarat	20675	19704	971	4.7
Madhya Pradesh	16085	15102	983	6.1
Maharashtra	31175	30672	503	1.6
Goa	642	642	—	—
Western Region (Total)	68577	66120	2457	3.6

There was only 3.6% energy shortage in Western Region during April-October, 1995 as against an all-India average of shortage of 8.2%. There has been some grid disturbances resulting in power disruption in some parts of the grid and industries falling in that area were also affected.

(c) As per an estimate made by CEA in 1994, it is envisaged to add 4669.5 MW comprising of 1015.5 MW Hydro, 3214.0 MW thermal and 440 MW nuclear capacity in the Western region during the 8th Plan. Various other measures being taken to improve the availability of power in Western region include-expediting commissioning of existing power stations, reduction in T&D losses, implementation of demand management and energy conservation measures etc.

"विश्व पर्यटन बाजार" में हिस्सा लिया जाना

1566. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने लंदन में हुए "विश्व पर्यटन बाजार" में हिस्सा लिया था;

(ख) यदि हां, तो उक्त प्रतिनिधिमंडल में उसके नेता सहित सदस्यों की कुल संख्या कितनी थी और इस संबंध में अन्य ब्यौरे क्या हैं; और

(ग) "विश्व पर्यटन बाजार" में भारत की क्या स्थिति रही और भारत की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार क्या-क्या लाभकारी और प्रभावशाली कदम उठा रही है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) और (ख) पर्यटन विभाग, भारत सरकार ने दिनांक 13 से 16 नवम्बर, 1995 को लंदन में हुए विश्व पर्यटन बाजार (डब्ल्यू टी एम) में भाग लिया था। पर्यटन विभाग के प्रतिनिधिमंडल में, पर्यटन राज्य मंत्री, श्रीमती सुखबंस कौर भिंडर, योजना आयोग की सदस्य श्रीमती मीरा सेठ एवं पर्यटन सचिव, श्री एस. सुंदर शामिल थे। भारत से इसमें भाग लेने वाले अन्य लोग भी थे जिन्होंने भारत पैवेलियन में उपलब्ध 30 बूथों में स्थान ग्रहण किया। इन भाग लेने वालों में राज्य सरकारों, होटलों, यात्रा व्यवसाय तथा एयरलाइनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

(ग) पहली बार, भारत ने एक ऐसा पैवेलियन लगाया जिसमें पर्यटन उद्योग के अलग-अलग क्षेत्रों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसका प्रत्युत्तर बहुत अनुकूल मिला और यह बताया गया कि भागीदार अपना कार्य बहुत अच्छे तरीके से कर सकें। ऐसे प्रभावी उपायों को, महत्वपूर्ण ट्रैवल मार्टों, जिनमें पर्यटन विभाग भाग लेता है, में जारी रखने का प्रस्ताव है।

इंडियन एयरलाइंस के वेतन और भत्तों के बिल

1567. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मार्च, 1995 को समाप्त हुए वर्ष के लिए इंडियन एयरलाइंस के वेतन बिलों की धनराशि कितनी थी;

(ख) इस अवधि के दौरान कर्मचारियों को दिए गए समयोपरि भत्ते की राशि कितनी थी; और

(ग) इस अवधि के दौरान वाहन भत्ता कलेवा/मध्याह्न भोजन भत्ता और अन्य भत्तों की राशियां कितनी-कितनी थीं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) वर्ष 1993-94 के लिए इंडियन एयरलाइंस का कुल वेतन बिल 160.80 करोड़ रुपए था।

(ख) और (ग) 1993-94 के दौरान अदा किये गये अन्य भत्तों के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:-

(1) समयोपरि भत्ता	13.39 करोड़ रुपए
(2) वाहन भत्ता	0.92 करोड़ रुपए
(3) नाश्ता/मध्याह्न भोजन और अन्य भत्ते	2.14 करोड़ रुपए